विकासशील राज्य शोध केंद्र
दिल्ली विश्वविद्यालय
दिल्ली – 110007

संश्लेषण
(डी सी आर सी हिन्दी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्यः 'सोशल मीडिया एवं भारतीय राज्यः गोपनीयता, स्वायत्तता एवं संप्रभुता'

21वीं शताब्दी में विश्व के बड़े लोकतंत्रों में सोशल मीडिया की सक्रिय उपस्थिति ने व्यापक सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विमर्शों को ना केवल जन्म दिया, अपितु उन्हें मुख्यधारा के विमर्श के रूप में स्थापित भी किया है। विगत कुछ वर्षों में साधारण मेलजोल का यह आभासी मंच जन–सामान्य के लिए अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण मंच के रूप में परिणीत होता दिखाई दिया है। परंतु, जहाँ एक ओर इसने विचारों व सूचनाओं के प्रसार के माध्यम से लोकतांत्रिकरण को सशक्त करने में योगदान दिया, वहीं दूसरी ओर अभिव्यक्ति के इस मंच की (अ)सामाजिकता व अराजकता ने राज्यों के समक्ष गोपनीयता, स्वायत्तता व संप्रभुता संबंधी चुनौतियाँ भी प्रस्तुत की हैं। वर्तमान में भारत में सोशल मीडिया पर राज्य के नियंत्रण से संबंधित नियम इन्हीं चुनौतियों से उपजी अंतःक्रिया का परिणाम हैं। सोशल मीडिया व भारतीय राज्य के मध्य इस अंतःक्रिया के विविध पक्षों पर केंद्रित यह अंक चिंतनशील विद्यार्थियों व शोधार्थियों से गंभीर लेखन की अपेक्षा रखते हुए लेख आमंत्रित करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्यः 'सोशल मीडिया एवं भारतीय राज्यः गोपनीयता, स्वायत्तता एवं संप्रभुता' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिन्दी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।
2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।
3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।

4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

क) अक्षर (फॉन्ट)	–	कृतिदेव 011, यूनिकोड एवं मंगल
ख) अक्षर आकार	–	14
ग) पंक्ति अंतराल	–	1.5
घ) संदर्भ प्रारूप	–	ए.पी.ए. शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए। प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर **(Plagiarism Software)** द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षक को अग्रेषित होगा, एवं निर्धारित मानक से अधिक (10 प्रतिशत) साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

6. लेखक का नाम, पद/संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।

7. सह–लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक/सह–लेखक किसी भी रुप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।

8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन/घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है और न ही प्रकाशन के लिए कहीं ओर प्रेषित किया गया है।

9. लेख को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।

10. प्रकाशित लेख विकासशील राज्य शोध केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्विक सम्पदा होगा।

लेख प्रेषण:

1. लेख (घोषणा पत्र सहित) केवल कृतिदेव 011, यूनिकोड एवं मंगल अक्षर (फॉन्ट) एम.एस. वर्ड प्रारूप में ही synthesis.dcrc@gmail.com पर मेल किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख को प्रेषित करने की अंतिम तिथि **बुधवार, 14 जुलाई 2021** है।

संपर्क:

किसी भी पूछताछ के लिए संपादकीय मंडल – synthesis.dcrc@gmail.com/+91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है और न ही प्रकाशन के लिए कहीं और प्रेषित किया गया है।

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष संख्याः

ईमेलः

तिथिः स्थानः